राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण | गुरुवार,14मई2020 | वर्ष-2, | अंक -71 | पृष्ठ-04 | मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

80 हजार के करीब पहुंची कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की संख्या, 2544 की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में लगातार तेजी से वृद्धि हो रही है। बुधवार देर रात भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले मरीजों की संख्या 3,518 बढ़कर 77,848 हो गई। भारत संक्रमण के मामले में दुनिया के चुनिंदा देशों के समकक्ष पहुंच गया है। अभी तक देश में कोरोनावायरस से 25,44 लोगों की जान गई है। बुधवार को भी 129 लोगों की इस वायरस के संक्रमण से मौत हो गई। अभी तक 26,069 व्यक्ति कोरोनावायरस को मात देकर ठीक हो चुके हैं।

कोरोना वायरस संक्रमण के मामले में महाराष्ट्र अन्य राज्यों से बहुत आगे है। बुधवार को यहां पर 1,495 नए संक्रमित मिले और कोरोनावायरस से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़कर 25,922 हो गई। इनमें से 975 लोगों की मौत हो गई है जबकि 5,547 लोग ठीक हो चुके हैं। महाराष्ट्र में अकेले मुंबई में 14,947 मामले हैं जो देश के किसी भी प्रदेश से सर्वाधिक हैं। गुजरात में भी संक्रमण तेजी से फैल रहा है यहां बुधवार को संक्रमण के 364 नए मामले सामने आने के साथ ही पीड़ितों की संख्या 9,268 हो गई। गुजरात में अब तक इस बीमारी से 566 लोगों की जान जा चुकी है जबकि 3,662 लोग ठीक हो चुके हैं। तमिलनाडु में भी बुधवार को कोरोनावायरस संक्रमण के 509 लाए मामले सामने आने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 9,227 हो गई। इनमें से 64 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2,176 ठीक हो चुके हैं। देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार को कोरोनावायरस संक्रमण के 359 नए मामले सामने आए और पीड़ितों की संख्या बढ़कर 7998 हो गई। इनमें से 106 लोगों की मौत हो गई है जबकि 2,858 लोग ठीक हो चुके हैं।

संक्रमण के मामले में राजस्थान और मध्यप्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। राजस्थान में बुधवार को कोरोनावायरस संक्रमित 152 नए मरीज मिले। यहां अब तक 4,278 मरीज हो चुके हैं जिनमें से 120 मरीजों की मौत हो गई है जबकि 2,459 ठीक हो चुके हैं। मध्यप्रदेश में भी बुधवार को संक्रमण के 187 नए मामले सामने आने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 4,173 हो गई। इनमें से 120 की मौत हो चुकी है, जबकि 2,004 ठीक हो चुके हैं। उत्तरप्रदेश के आंकड़े देर रात तक अपडेट नहीं हुए थे। यहां अब तक 3,664 मामले सामने आए हैं जिनमें से 1,873 ठीक हो चुके हैं और 82 की मौत हो गई है। पश्चिम बंगाल में बुधवार को कोरोनावायरस के 117 नए मरीज मिलने के साथ ही पीड़ितों की संख्या बढ़कर 2,290 हो गई। यहां अब तक कोरोना वायरस से 207 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 702 लोग ठीक हो चुके हैं। बुधवार को उड़ीसा में कोरोनावायरस संक्रमण के 101 नए मामले सामने आए इस प्रकार राज्य में पीड़ितों की संख्या बढ़कर 538 हो गई है और यह केरल से ऊपर पहुंच चुका है। यहां अब तक इस वायरस के कारण 3 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 143 ठीक हो गए हैं।

बुधवार को आंध्र प्रदेश में 48, पंजाब में 10, जम्मू और कश्मीर में 37, कर्नाटक में 34, बिहार में 53, हरियाणा में 13, केरल में 10 और असम में 15 नए मामले सामने आए। बाकी राज्यों अथवा केंद्र शासित प्रदेशों में संक्रमण के मामले इकाई में सामने आए। कुछ राज्यों में नए संक्रमित नहीं मिले। वहीं कुछ राज्य ऐसे हैं जहां संक्रमण पूरी तरह खत्म हो गया है।

इस प्रकार देखें तो कोरोनावायरस का प्रकोप महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बहुत अधिक है। इसके अलावा बाकी राज्यों में संख्या उतनी तेजी से नहीं बढ़ रही है हालांकि ओडिशा की स्थिति चिंताजनक है। प्रधानमंत्री ने 18 मई से लॉक डाउन में कुछ और रियायत देने का संकेत दिया है।

5.3 तीव्रता के भूकंप से कांपा नेपाल, जानमाल सुरक्षित

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल की राजधानी काठमांडू के समीप देर रात मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंपीय केंद्र ने बताया कि भूकंप के झटके रात 11 बजकर 53 मिनट पर महसूस किए गए। इसका केन्द्र राजधानी काठमांडू के 180 किलोमीटर पूर्व दोलखा जिले में था। भूकंप से फिलहाल जान माल के नुकसान की खबर नहीं है।

भूकंप के झटके राजधानी और आस-पास के इलाकों में भी महसूस किए गए। भूकंप आने से घबराए लोग सड़कों पर निकल आए और उन्हें 2015 में आए विनाशकारी भूकंप की यादें ताजा हो गईं जिसमें नौ हजार से अधिक लोग मारे गए थे।

पृथ्वी पर अनियंत्रित होकर गिरा चीन का रॉकेट

पेइचिंग(ईएमएस)। अपने स्पेस स्टेशन पर कार्गो ले जाने के इरादे से लॉन्च किया गया चीन का टेस्ट रॉकेट तकनीकी खराबी के बाद पृथ्वी की ओर लौट पड़ा। हालांकि, एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया जब इस रॉकेट का बड़ा हस्सा पृथ्वी के वायुमंडल में अनियंत्रित होकर गिरने लगा। लॉग मार्च5बी का करीब 30 मीटर लंबा और 5 मीटर चौड़ा हिस्सा लगभग 20 मीट्रिक टन का था। माना जा रहा है कि पिछले 30 साल में पृथ्वी के वायुमंडल में अनियंत्रित होकर लौ. टने वाला यह सबसे बड़ा ऑब्जेक्ट था। इससे पहले 1991 में करीब

39 टन का सोवियत यूनियन स्पेस स्टेशन सैल्यूट ऐसे ही आ गिरा था। यूएस स्पेस फोर्स के 18वें स्पेस कंट्रोल स्क्वॉड्रन के मुताबिक यह हिस्सा सोमवार को अफ्रीका के पश्चिमी तट पर अटलांटिक महासागर में आ गिरा। हालांकि, नीचे आने के साथ ही इसके ज्यादातर हिस्सों को आग लग गई और सिर्फ कुछ टुकड़े ही जमीन पर लौट सके। चीन ने इसे 5 मई को लॉन्च किया था। इसे चीन के स्पेस स्टेशन तक मॉड्यूल्स लॉन्च करने के लिए डिजाइन किया गया था।

प्रियंका चोपड़ा से मांगी फिरौती

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। न्यूयॉर्क स्थित ग्रबमैन शायर मीसेल्स एंड सेक्स फर्म से हैकर्स ने 756 जीबी का डाटा चोरी कर लिया है। रिविल मालवेयर के नाम से सेलेब्रिटीज से काफी बड़ी रकम फिरौती के रूप में मांगी गई है। जिन लोगों से फिरौती मांगी गई है। उसमें भारत की

प्रियंका चोपड़ा, मारिया कैरी, जेसिका सिंपसन, नाओमी कैंपबेल सहित कई नामी-गिरामी हस्तियां शामिल है। रिविल मालवेयर के नाम से जो फिरौती मांगी गई है। उसमें पर्सनल डाटा को उजागर नहीं करने के रूप मे,यह फिरौती मांगी गई है।

नेपाल की भारत से लगने वाली दक्षिणी सीमा पर बढ़ी निगरानी

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल में कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने अधिकारियों को भारत के साथ लगने वाली दक्षिणी सीमा पर निगरानी और बढाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि लॉकडाउन का उचित तरीके से पालन किया जाये। कैबिनेट सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। बता दें कि मंगलवार को इस हिमालयी देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 55 नये मामले सामने आये हैं। यह मामला एक दिन में सर्वाधिक है। इसके साथ ही देश में कोरोना संक्रमण के 191 मामले सामने आये हैं। सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट की बैठक करने वाले ओली ने नेपाल में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों को देखते हुये अधिकारियों को भारत के साथ लगने वाली देश की दक्षिणी सीमा पर निगरानी और तेज करने के लिये कहा है। दरअसल, नेपाल उन देशों में शामिल है, जहां संक्रमण के सबसे कम मामले हैं और इस वायरस के कारण अब तक किसी की मौत भी नहीं हुयी है। नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में ङ०ड्ढ•{कृ19 के 57 मामले सामने आने की घोषणा की। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि जो नये मामले सामने आये हैं, उनमें सबसे अधिक 39 मामले परसा जिले के हैं। इसके अलावा रूपनदेही, कपि. लवस्तु एवं बारा जिलों में क्रमशः नौ, आठ एवं एक मामला है।

कोरोना वायरस से मुकाबले के लिए पीएम केयर्स फण्ड से मिलेंगे 3100 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वायरस से मुकाबले के लिए पीएम केयर्स फण्ड से भी राशि जारी की जाएगी। इस फण्ड से 3100 करोड़ रुपये दिए जाने की घोषणा की गई है। इन रुपयों का इस्तेमाल प्रवासियों के उत्थान और स्वास्थ्य से संबंधित संसाधनों को विकसित करने में किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 3100 करोड़ में से 2 हजार करोड़ रुपये वेंटिलेटर खरीद के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। वहीं, 1 हजार करोड़ रुपये का इस्तेमाल प्रवासी मजदूरों के कल्याण के लिए किया जाएगा और 100 करोड़

रुपये वैक्सीन के डिवलेपमेंट पर खर्च किए जाएंगे।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 27 मार्च को कोरोना वायरस के मामले सामने आने के बाद देश में पीएम केयर फंड की शुरुआत की थी और लोगों से फंड में दान करने की अपील की थी। इस फंड के अन्य पदेन सदस्य रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री हैं।

देशभर में 642 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनें से 7.90 लाख यात्री पहुंच चुके गृह राज्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। विभिन्न स्थानों पर फंसे प्रवासी श्रमिकों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, विद्यार्थियों और अन्य व्यक्तियों की आवाजाही विशेष रेलगाड़ियों से सुनिश्चित करने के बारे में गृह मंत्रालय का आदेश (ऑर्डर) प्राप्त होने के बाद भारतीय रेलवे ने 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया था।

13 मई 2020 तक देश भर के विभिन्न राज्यों से कुल 642 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनें चलाई गई हैं। लगभग 7.90 लाख यात्री अपने गृह राज्य पहुंच चुके हैं। यात्रियों को भेजने वाले राज्य और यात्रियों का आगमन स्वीकार करने वाले राज्य दोनों से ही सहमति मिलने के बाद ही रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

इन 642 ट्रेनों का परिचालन विभिन्न राज्यों में पहुंचने पर समाप्त हुआ, जैसे कि आंध्र प्रदेश (3 ट्रेनें), बिहार (169 ट्रेनें), छत्तीसगढ़ (6 ट्रेनें), हिमाचल प्रदेश (1 ट्रेन), जम्मू और कश्मीर (3 ट्रेनें), झारखंड (40 ट्रेनें), कर्नाटक (1 ट्रेन), मध्य प्रदेश (53 ट्रेनें), महाराष्ट्र (3 ट्रेनें), मणिपुर (1 ट्रेन), मिजोरम (1 ट्रेन), ओडिशा (38 ट्रेनें), राजस्थान (8 ट्रेनें), तमिलनाडु (1 ट्रेन), तेलंगाना (1 ट्रेन), त्रिपुरा (1 ट्रेन) , उत्तर प्रदेश (301 ट्रेनें), उत्तराखंड (4 ट्रेनें), पश्चिम बंगाल (7 ट्रेनें)।

ट्रेन में चढ़ने से पहले यात्रियों की समुचित जांच (स्क्रीनिंग) सुनिश्चित की जाती है। सफर के दौरान यात्रियों को मुफ्त भोजन और पानी दिया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सज्जन कुमार को अंतरिम जमानत देने से इनकार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। उच्चतम न्यायालय ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से संबंधित एक मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार को स्वास्थ्य कारणों से अंतरिम जमानत देने से इंकार कर दिया है।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति इन्दु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति ऋषिकेश राय की पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान सज्जन कुमार की मेडिकल रिपोर्ट का अवलोकन किया और कहा कि उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं है। सज्जन कुमार को अंतरिम जमानत देने से इंकार करते हुये पीठ ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व नेता के नियमित जमानत के लिए दायर आवेदन पर जुलाई में विचार किया जाएगा। इसी मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे एक अन्य दोषी बलवान खोखर ने भी पेरोल पर रिहा करने का अनुरोध किया है।

सीबीआई की ओर से सालिसीटर जनरल तुषार मेहता और कुछ दंगा पीडितों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने जमानत की अर्जी का विरोध किया जबकि सज्जन कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि उनके मुवक्किल को जमानत दी जानी चाहिए क्योंकि अगर जेल में सज्जन कुमार को कुछ हो गया तो उम्र कैद की सजा उनके लिए मृत्यु दंड हो जाएगी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 दिसंबर 2018 को निचली अदालत का 2013 का फैसला पलटते हुए सज्जन कुमार को उम्र कैद की सजा सुनायी थी, जबकि एक अन्य दोषी बलवान खोखर की उम्र कैद की सजा अदालत ने बरकरार रखी थी। सज्जन कुमार और पूर्व पार्षद बलवान खोखर दक्षिण पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके में स्थित राज नगर पार्ट-1 में पांच सिखों की हत्या और राजनगर पार्ट-2 में एक गुरूद्वारा जलाने की घटना से संबंधित मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे हैं। ये घटनायें एक-दो नवंबर, 1984 को हुयीं थी।

चिकन खाने से नहीं फैलता कोरोना वायरस सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी

लंदन (ईएमएस)। कोरोना वायरस चिकन खाने के कारण नहीं फैल सकता है। यह सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी में स्पष्ट कर दिया गया है। एक्सपर्ट की माने तो चिकन के सेवन की कई बेहतरीन फायदे भी हैं। इसके सेवन के दौरान एक बात का विशेष ध्यान रखें कि इसे अच्छी तरह जरूर साफ करें। कई लोगों को घर या दफ्तर का काम करने के दौरान लगातार कई प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ता है और ऐसा स्ट्रेस यानी तनाव के कारण भी होता है। स्ट्रेस का अगर सही समय पर इलाज न किया जाए तो इंसान डिप्रेशन में भी चला जाता है, जो उसके लिए काफी नुकसानदायक भी साबित हो सकता है। दरअसल, चिकन में ट्रिप्टोफन की मात्रा पाई जाती है, जिससे स्ट्रेस को दूर करने में काफी मदद मिलती है। चिकन में विटामिन-बी6 की मात्रा पाई जाती है जो करती है, लेकिन इसके कमजोर हो जाने पर आप पेट जुड़ी हुई कई बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। इसलिए मेटाबॉलिज्म की क्रिया में सुधार बनाए रखने के लिए भी आप चिकन का सेवन नियमित रूप से कर सकते हैं। कई सारे बॉडीबिल्डर्स भी इस बात की सलाह देते हैं कि अगर कच्चे मांस का सेवन किया जाए तो मसल्स बनाने में काफी मदद मिलती है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, चिकन का ठीक तरह से किया गया सेवन मसल बिल्डिंग में काफी सहायता प्रदान करता है। नेशनल सेंटर फॉर बायो टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन के अनुसार, इस बात की पुष्टि की गई है कि चिकन का सेवन करने वाले लोगों में इम्यून सिस्टम अधिक मजबूत हो सकता है। चिकन में इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण पाया जाता है। इस कारण से चिकन का नियमित रूप से किया गया सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत से चलाए रखने के लिए बहुत जरूरी माना जाती है। इतना ही नहीं, बॉडीबिल्डिंग में भी प्रोटीन का सेवन बहुत लाभदायक माना जाता है और चिकन से आप अच्छी मात्रा प्रोटीन ले सकते हैं। इसलिए प्रोटीन के अच्छे स्रोत के लिए भी चिकन का सेवन कर सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में अगर बढ़ोतरी हो जाए तो यह कई प्रकार के स्वास्थ्य जोखिम का खतरा उत्पन्न कर सकता है। जो लोग चिकन का सेवन करते हैं वह कोलेस्ट्रोल के नियंत्रण में काफी मदद पा सकते हैं। इसका कारण यह है कि चिकन में कोलेस्ट्रॉल को संतुलित करने का गुण पाया जाता है। इसके साथ-साथ इसमें मौजूद नियासिन भी कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करता है। मालूम हो ?कि कोरोना वायरस के फैलने के कारण बीते कई दिनों तक चिकन का सेवन नहीं किया जा रहा था। लोगों को डर था

मेटाबॉलिज्म यानी कि चयापचय की क्रिया-प्रक्रिया में भी काफी हद तक सुधार करता है। यह पेट से जुड़ी एक ऐसी क्रिया होती है जो पाचन तंत्र को भी सक्रिय रूप से प्रभावित करने में भी काफी मदद प्रदान कर सकता है। हमारे शरीर को नियमित रूप से प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा की जरूरत होती है। यह हमारे शरीर के विभिन्न कार्य प्रणाली को सुचारू रूप कि कोरोना वायरस चिकन खाने से भी फैल सकता है। इसीलिए सरकार को एडवाइजरी जारी कर यह स्पष्ट करना पडा है चिकन खाने से कोरोना नहीं फैलता है।

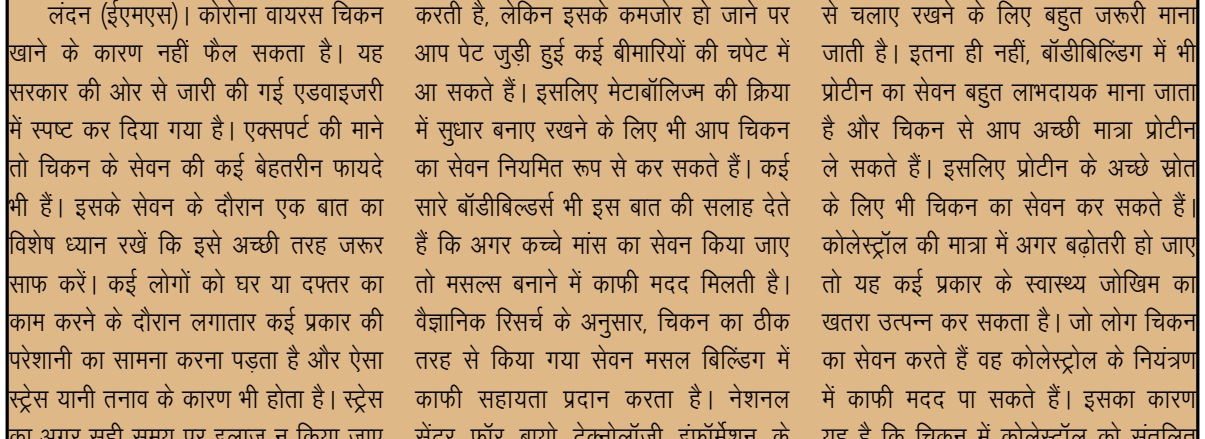

तमिलनाडु के सीएम ने कहा, राज्य में धीरे-धीरे हटेगा लाकडाउन, जनता से मांगा सहयोग

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने बुधवार को लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाने का संकेत देकर सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए लोगों का सहयोग मांगा। आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने और लॉकडाउन के दौरान किसी को कोई परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार के द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने लोगों के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा,लोगों को सरकार के साथ पूरा सहयोग करना चाहिए.. आपके सहयोग से लॉकडाउन को धीरे-धीरे हटाया जा सकता है।''

मुख्यमंत्री ने सचिवालय में कोविड-19 को नियंत्रित करने संबंधी गतिविधियों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारियों और अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह टिप्पणी की। तमिलनाडु देश में कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है,जहां कोविड-19 के मामले 8,000 से अधिक हो चुके हैं।तमिलनाडु के सीएम का यह बयान तब आया है, जब कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि लॉकडाउन का चौथा चरण होगा, लेकिन यह पहले के तीन चरणों से बहुत अलग होगा।

लॉकडाउन का तीसरा चरण 17 मई को समाप्त होने वाला है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राष्ट्र निर्माता मज़दूर–किस क़द्र मजबूर? कोविड–19 के विश्वव्यापी

दुष्प्रभाव के सन्दर्भ में जितने भयावह व अकल्पनीय समाचार सुनाई दे रहे हैं उससे भी अधिक दर्दनाक ख़बरें भारतवर्ष में मज़दूरों,कामगारों व मेहनतकशों से जुड़ी हुई प्राप्त हो रही हैं। लगभग गत डेढ़ महीने से लॉक डाउनकी वजह से पैदा हुए हालात से प्रभावित कामगार मज़दूर पूरे भारत में इधर से उधर हज़ारों की किलोमीटर की पैदल यात्राएं करते देखे जा रहे हैं। अंधकारमय भविष्य,अनिश्चितता का वातावरण, किसी के कांधों पर गृहस्थी का बोझ तो किसी की गोद में बच्चे,किसी के कांधे पर कोई विकलांग परिजन तो किसी की पीठ पर बूढ़े असहाय मां– बाप,कोई स्वयं बीमारी की अवस्था में, तो कोई गर्भवती अवस्था में,लाखों की जेबें ख़ाली,जिनके पैरों में चप्पल नहीं उनके तलवों में ऐसे भयानक छाले व ज़ख़्म जिन्हें कमज़ोर दिल रखने वाला इंसान देख भी नहीं सकता,कोई सड़कों के रास्ते तो कोई रेल मार्ग पर रेल पटरियों के किनारे चलते हुए तो कोई पहाड़ी क्षेत्रों या खेत खलिहानों से होकर गुज़रता हुआ,कई कई दिनों के भूख और प्यास से जूझता हुआ सैकड़ों–हज़ारों किलोमीटर का सफ़र तय करने निकल पड़ा है वह स्वाभिमानी राष्ट्र निर्माता कामगार मज़दूर, जिनकी शान में भारतीय राजनीति के धुरंधर 'क़सीदे' पढ़ने से नहीं थकते। पूरे देश के अलग अलग क्षेत्रों से इन घर से बेघर व बेरोज़गार हो चुके कामगारों से जुड़ी विचलित कर देने वाली तमाम ख़बरें आ रही हैं। कहीं रास्ते की असीमित परेशानियों का सामना न कर पाने की स्थिति में किसी ने आत्म हत्या कर ली तो कई भूख प्यास व थकान को सहन न करते हुए रास्ते में दम तोड़ गए। कई 'राष्ट्र निर्माता श्रमिकों' को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। गत 8 मई को औरंगाबाद के निकट 16 प्रवासी मज़दूर माल गाड़ी से कट गए और उनके शव क्षत विक्षत होकर दूर तक फैल गए। मध्य प्रदेश जाने हेतु श्रमिक स्पेशल ट्रेन पकड़ने हेतु ये बदनसीब लोग जालना से औरंगाबाद के लिए रवाना हुए थे। रस्ते में नींद आने के चलते ये विश्राम करने के लिए रेल लाइन को ही सुरक्षित जगह समझकर उसी पटरी के बीच लेटे ही थे कि इन थके श्रमिकों को नींद आ गयी। इसके बाद एक मालगाड़ी उन सभी 16 श्रमिकों को रोंदते काटते हुए गुज़र गयी। इस हादसे के बाद 'श्रमिकों के शुभ चिंतकों' ने घड़ियाली आंसू बहाए,आर्थिक सहायता घोषित हुई, अफ़सोस व्यक्त करने की ख़ाना पूर्ति की गयी। मगर जिन परिवारों के सदस्य लॉक डाउन के दुष्प्रभाव को झेलते हुए संसार से बिदा हो गए उनकी भरपाई न ही पैसों से हो सकेगी न ही घड़ियाली आंसुओं से।

मज़दूरों व कामगारों की इस अभूतपूर्व दुर्दशा ने एक बार फिर इस बहस को जीवंत कर दिया है कि इन मेहनतकशों की बदहाली की ज़िम्मेदार आख़िर किसकी है ? प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 मार्च को सुबह 7 बजे से शाम पांच बजे तक के लिए जनता कर्फ़्यू का ऐलान किया था और 5 बजे शाम को पांच मिनट तक तालियां बजा कर कोरोना योद्धाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने की अपील की थी। इसी रात 22 मार्च को ही विश्व के सबसे व्यस्ततम रेल नेटवर्क को भी रोक दिया गया साथ ही साथ एक दूसरे राज्यों को जोड़ने वाली बस परिवहन सेवा पर भी रोक लगा दी गई। इसके बाद से अब तक 3 बार लॉक डाउन को आगे बढ़ाया चुका है। माना जा रहा है कि सरकार ने यहीं पर एक ऐसी बड़ी भूल है जिसका सीधा प्रभाव श्रमिकों व प्रवासी कामगारों से लेकर देश की अर्थ व्यवस्था तक पर पड़ रहा है और भविष्य में भी कई वर्षों तक पड़ेगा।

दरअसल लॉकडाउन एक ऐसी आपातकालीन व्यवस्था का नाम है जिसके अंतर्गत न केवल यातायात के सार्वजनिक संसाधनों को बल्कि निजी उद्योगों,संस्थाओं,संस्थानों व व्यवसायिक केंद्रों को भी बंद कर दिया जाता है। इस दौरान जो भी क़दम उठाए जाते हैं वे एपिडेमिक डिसीज़ एक्ट, डिज़ास्टर मैनेजमेंट एक्ट, आईपीसी और सीआरपीसी के तहत उठाए जाते हैं। लॉकडाउनकी शुरुआत चीन के वुहान से हुई थी। बाद में संक्रमण के बढ़ते ख़तरे को देखते हुए अमरीका, इटली, फ्रांस, आयरलैंड, ब्रिटेन, डेनमार्क, न्यूज़ीलैंड, पोलैंड तथा स्पेन जैसे देशों में भी लॉकडाउनके तरीक़े ही अपनाए गए।

परन्तु भारत में जिस प्रकार लॉक डाउन के बाद प्रवासी श्रमिकों ने अविश्वास व अनिश्चितता,मजबूरी व बेबसी का सामना किया वह स्थिति किसी अन्य देश में नहीं देखी गयी। आज एक अजीब सी विरोधाभासी स्थिति पैदा हो गयी है। भूख और बेरोज़गारी के संकट से जूझ रहे जिन श्रमिकों को सरकार को व्यवस्थित रूप से उनके अपने घरों तक पहुँचाने की व्यवस्था लॉक डाउन की घोषणा से पूर्व करनी चाहिए थी वह आधा अधूरा प्रबंध डेढ़ महीने बाद इन दिनों किया जा रहा है। और डेढ़ महीने बाद जब वही मज़दूर किसी तरह मरते खपते, पैदल,उपलब्ध अपर्याप्त रेल व बस जैसे संसाधनों से अपने अपने घरों को पहुंचना चाह रहे हैं ताकि वे अपने परिवार के बीच रहकर विगत डेढ़ महीने के अपने भयावह अनुभवों से स्वयं को उबार सकें तो देश के सामने अर्थव्यवस्था का संकट बता कर कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में उद्योगपतियों के कहने पर उन्हें बंधक की तरह ज़बरदस्ती रोका जा रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने तो प्रवासी मज़दूरों को लेकर जाने वाली कई रेलगाड़ियों का परिचालन ही इसी मक़सद से रुकवा दिया ताकि वे अपने घरों को वापस न जा सकें और उद्योग धंधों में पुनः अपनी सेवाएं दे सकें। इससे साफ़ साफ़ यही पता चलता है कि सरकार को लॉक डाउन की घोषणा से पूर्व श्रमिकों को घरों तक पहुँचाने का प्रबंध करना था जो सरकार नहीं कर सकी। और अब जब उन्हीं श्रमिकों को नए विशाल भवनों की योजनाओं,बड़े बड़े पार्कों,मेलों आदि पर तो ख़र्च कर सकते हैं परन्तु देश की जनसँख्या के घनत्व के मुताबिक़ शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं संबंधित शोध कार्यक्रमों पर नहीं ? हमारी प्राथमिकताएं तो सांसदों के वेतन–भत्ते बढ़ाना,प्रधान मंत्री व राष्ट्रपति के लिए नए विमान ख़रीदना,नए संसद भवन का निर्माण कराना,बुलेट ट्रेन चलाना, सरकार समर्थित विवादित लोगों को वाई–ज़ेड सुरक्षा देना आदि है। और जब देश पर महामारी जैसा वर्तमान संकट आए तो लॉक डाउन की घोषणा कर जनता को घरों में क़ैद रखना और उसी पर महामारी के विस्तार का ठीकरा फोड़ना और राष्ट्र निर्माता मज़दूरों को बंधुआ, बेबस व मजबूर बना देना?

(विचार–मंथन)

लॉकडाउन का दबाव

लॉकडाउन में रेलवे की तरफ से ट्रेन चलाने का फैसला और बीते तीन दिनों में सरकार की तरफ से जारी की गई दो गाइडलाइन से यह तो स्पष्ट हो गया है कि अब सरकार धीरे–धीरे छूट की तरफ बढ़ेगी। कहा तो यह भी जा रहा है कि देश में लॉकडाउन को आगे बढ़ाने का फैसला शायद ही लिया जाए। कुछ दिनों पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लॉकडाउन खोलने का संकेत देते हुए कहा था कि अब हमें कोरोना विषाणु के साथ जीने की आदत डालनी होगी। उनके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी कहा कि लोगों को इस विषाणु के साथ ही जीने की आदत डालनी होगी। हालांकि इस तरह के बयानों के बीच कोरोना संक्रमण के मामलों के

दोगुना होने की दर बारह से घट कर दस दिन हो गई है। तमाम कड़ाई के बावजूद लोग नियम–कायदों, सरकारी अपीलों का पालन करते नहीं देखे जा रहे। जगह–जगह भीड़ जमा होने, घरों की ओर लौटने की घटनाएं रुक नहीं रहीं। पर सरकारों की तरफ से ऐसे बयान आने की एक वजह यह भी है कि तीन चरण में लॉकडाउन लागू करने के बाद देश की अर्थव्यवस्था पर जो प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, उसे अब और सहन कर पाना संभव नहीं होगा। तमाम औद्योगिक घरानों का दबाव है कि कड़े नियमों का पालन करते हुए उद्योगों, व्यावसायिक गतिविधियों को शुरू कर देना चाहिए। सरकारों ने भी इसकी जरूरत समझ ली है।

इसके अलावा दुनिया भर के अनुभवों को देखते हुए यह साफ हो चला है कि लॉकडाउन कोरोना संक्रमण को रोकने का एकमात्र उपाय नहीं है। यह सही है कि लॉकडाउन करने से भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश में इसका संक्रमण उस रफ्तार से नहीं बढने पाया, जैसा अनेक देशों में फैला। जर्मनी जैसे देश अब लॉकडाउन हटा कर फिर से अपनी व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कर रहे हैं। स्वीडन जैसे देश ने कभी लॉकडाउन का सहारा लिया ही नहीं। उसने सिर्फ संक्रमण फैलने से बचाव के उपायों पर कड़ाई से अमल किया और इस पर काबू पाने में कामयाब रहा। उन अनुभवों को देखते हुए भारत भी इस विषाणु के साथ जीने की कोशिश करना चाहता है। पर लॉकडाउन खोलने का यह अर्थ नहीं कि लोगों को मनमाने तरीके से चलने–फिरने की इजाजत दी जाए।

जरूरी सुरक्षा उपायों पर अमल करते हुए इससे बचने का प्रयास किया जा सकता है। भारत में पहले से तपेदिक आदि के विषाणुओं का प्रकोप बना रहता है। स्वाइन फ्लू, दिमागी बुखार आदि के विषाणु अपना असर दिखाते ही रहते हैं। पर लोग उनके साथ जीना सीख गए हैं। उसी तरह कोरोना विषाणु के साथ भी जीने की आदत डालनी होगी, क्योंकि यह विषाणु कभी खत्म नहीं होगा।

यह सही है कि विषाणु के भय से पूरे देश को लंबे समय तक तालाबंदी में नहीं रखा जा सकता। इतने दिनों के लॉकडाउन में ही देश की अर्थव्यवस्था की कमर टूट चुकी है, एक–एक दिन भारी पड़ रहे हैं। इसलिए व्यावसायिक गतिविधियों को शुरू करना जरूरी है। पर यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि लोग खुद सुरक्षात्मक उपायों पर अमल करें। फिर सरकारों का दायित्व यहीं खत्म नहीं हो जाता। इस विषाणु का प्रकोप लगातार बना रहेगा और जैसी कि आशंका जाहिर की जा रही है कि अगले दो महीनों में इसका प्रकोप शीर्ष पर पहुंचेगा, स्वास्थ्य संबंधी तैयारियों में मामूली लापरवाही भी भयंकर महामारी का रूप ले सकती है। इसलिए बंदी खुलने के बाद संक्रमण का खतरा बढ़ेगा, और तब चिकित्सा आदि के स्तर पर अधिक मुस्तैदी की जरूरत पड़ेगी।

दरअसल लॉकडाउन एक ऐसी आपातकालीन व्यवस्था का नाम है जिसके अंतर्गत न केवल यातायात के सार्वजनिक संसाधनों को बल्कि निजी उद्योगों,संस्थाओं,संस्थानों व व्यवसायिक केंद्रों को भी बंद कर दिया जाता है। इस दौरान जो भी क़दम उठाए जाते हैं वे एपिडेमिक डिसीज़ एक्ट, डिज़ास्टर मैनेजमेंट एक्ट, आईपीसी और सीआरपीसी के तहत उठाए जाते हैं। लॉकडाउनकी शुरुआत चीन के वुहान से हुई थी। बाद में संक्रमण के बढ़ते ख़तरे को देखते हुए अमरीका, इटली, फ्रांस, आयरलैंड, ब्रिटेन, डेनमार्क, न्यूज़ीलैंड, पोलैंड तथा स्पेन जैसे देशों में भी लॉकडाउनके तरीक़े ही अपनाए गए।

परन्तु भारत में जिस प्रकार लॉक डाउन के बाद प्रवासी श्रमिकों ने अविश्वास व अनिश्चितता,मजबूरी व बेबसी का सामना किया वह स्थिति किसी अन्य देश में नहीं देखी गयी। आज एक अजीब सी विरोधाभासी स्थिति पैदा हो गयी है। भूख और बेरोज़गारी के संकट से जूझ रहे जिन श्रमिकों को सरकार को व्यवस्थित रूप से उनके अपने घरों तक पहुँचाने की व्यवस्था लॉक डाउन की घोषणा से पूर्व करनी चाहिए थी वह आधा अधूरा प्रबंध डेढ़ महीने बाद इन दिनों किया जा रहा है। और डेढ़ महीने बाद जब वही मज़दूर किसी तरह मरते खपते, पैदल,उपलब्ध अपर्याप्त रेल व बस जैसे संसाधनों से अपने अपने घरों को पहुंचना चाह रहे हैं ताकि वे अपने परिवार के बीच रहकर विगत डेढ़ महीने के अपने भयावह अनुभवों से स्वयं को उबार सकें तो देश के सामने अर्थव्यवस्था का संकट बता कर कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में उद्योगपतियों के कहने पर उन्हें बंधक की तरह ज़बरदस्ती रोका जा रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने तो प्रवासी मज़दूरों को लेकर जाने वाली कई रेलगाड़ियों का परिचालन ही इसी मक़सद से रुकवा दिया ताकि वे अपने घरों को वापस न जा सकें और उद्योग धंधों में पुनः अपनी सेवाएं दे सकें। इससे साफ़ साफ़ यही पता चलता है कि सरकार को लॉक डाउन की घोषणा से पूर्व श्रमिकों को घरों तक पहुँचाने का प्रबंध करना था जो सरकार नहीं कर सकी। और अब जब उन्हीं श्रमिकों को नए विशाल भवनों की योजनाओं,बड़े बड़े पार्कों,मेलों आदि पर तो ख़र्च कर सकते हैं परन्तु देश की जनसँख्या के घनत्व के मुताबिक़ शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं संबंधित शोध कार्यक्रमों पर नहीं ? हमारी प्राथमिकताएं तो सांसदों के वेतन–भत्ते बढ़ाना,प्रधान मंत्री व राष्ट्रपति के लिए नए विमान ख़रीदना,नए संसद भवन का निर्माण कराना,बुलेट ट्रेन चलाना, सरकार समर्थित विवादित लोगों को वाई–ज़ेड सुरक्षा देना आदि है। और जब देश पर महामारी जैसा वर्तमान संकट आए तो लॉक डाउन की घोषणा कर जनता को घरों में क़ैद रखना और उसी पर महामारी के विस्तार का ठीकरा फोड़ना और राष्ट्र निर्माता मज़दूरों को बंधुआ, बेबस व मजबूर बना देना?

(विचार–मनन)

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह–माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते–उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा– जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर–दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे।

उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे–मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी–खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़–पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा–पर ये तो हीरे–मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा–हमारे लिए तो ये कंकड़–पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

प्रसंगतः सेवा का रास्ता

ऑस्ट्रिया में पैस्टोला नामक एक छात्र डॉक्टरी पढ़ रहा था। एक दिन जब वह कहीं जा रहा था, तो रास्ते में उसे एक बच्चा मिला। एक छोटे से बच्चे को अकेला देखकर पैस्टोला ने उसे अपने साथ ले लिया। उसने उसके अभिभावकों को खोजने के लिए पुलिस में सूचना दी काफी दिनों तक जब बच्चे के अभिभावकों का कुछ पता न चला तो पैस्टोला ने उसे एक अनाथालय में रखवा दिया। पर उसे उस बालक से बेहद लगाव हो गया था, इसलिए वह अक्सर उसे अनाथालय में देखने आता और उसके लिए कुछ उपहार भी लाता। धीरे-धीरे पैस्टोला ने नोट किया कि अनाथालय में बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था तो है, लेकिन वहां के कर्मचारियों में दयाभाव नहीं है। इसलिए बच्चे उन कर्मचारियों के संरक्षण में ढंग से विकसित नहीं हो पा रहे हैं। पैस्टोला ने अपनी पढ़ाई खत्म होते ही एक आंदोलन चलाया और निःसंतान तथा छोटी गृहस्थी वाले लोगों से अनुरोध किया कि वे अनाथ बच्चों को अपने परिवार में सम्मिलित कर लें और उन्हें लाड-प्यार से पालें। ऐसा करने से बच्चों का समुचित विकास हो पाएगा और उन्हें जीने की राह मिल पाएगी। पैस्टोला के इस आंदोलन का लोगों पर सकारात्मक असर हुआ। अनेक उदार, धनी व शिक्षित लोगों ने ऐसे असहाय बच्चों को अपने परिवार में शामिल कर लिया। आत्मीयता एवं अपनत्व भरे माहौल में उन बच्चों का विकास होने लगा। पैस्टोला ने उन अनाथ बच्चों की देख-रेख में अपना जीवन लगा दिया। वह आजीवन अविवाहित रहा। पैस्टोला ने अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करने के अलावा विधवाओं व वृद्धाओं की भी निःस्वार्थ मदद की। अपनी पूरी आमदनी उसने जरूरतमंदों पर लगाई। पैस्टोला की प्रेरणा से अनेक उदार लोगों ने भी अपने परिवारों में निराश्रितों को सम्मिलित किया। धीरे-धीरे यह आंदोलन दूर-दूर तक फैल गया। पैस्टोला के काम कई लोगों ने हाथ में ले लिया। आज भी ऑस्ट्रिया के अनेक लोग पैस्टोला के बताए रास्ते पर चल रहे है और असहायों की मदद कर रहे हैं।

लॉकिंग ज़ोन

जज, "तुमने एक ही दुकान में बारी-बारी चोरी क्यों की?"

चोर, "साड़ियां तो मैंने एक बार चुराई थीं। तीन बार उन्हें बदलने के लिए जाना पड़ा। मेरी पत्नी को कोई साड़ी जल्दी से पसंद नहीं आती।"

☺ ☺ ☺

एक यात्री, "यहां पास में कोई कब्रिस्तान है?" विनय मोहन, "जी नहीं।"

यात्री (परेशानी से), "तो फिर जो यात्री ट्रेन की प्रतीक्षा करते-करते मर जाते हैं, उन्हें कहां दफनाया जाता है?"

☺ ☺ ☺

दो नाली के कीड़े खाना खाते समय बातें कर रहे थे।

पहला कीड़ा, "ये सामने वाला होटल कितना साफ है, हर चीज शीशे की तरह चमकती रहती है।"

दूसरा कीड़ा (नाक-भौं सिकोड़ कर), "कम से कम खाना खाते वक्त तो ऐसी घिनौनी बातें मत किया करो।"

☺ ☺ ☺

छोटा बच्चा, "अंकल, मम्मी को मैं कहां मिला था।"

विनय मोहन (मजाक में), "बेटे, तुम्हारी मम्मी तुम्हें बाजार से लाई थीं।"

छोटी बच्चा, "जरूर मम्मी मुझे सेल लाई होंगी। विनय, "क्यों?"

छोटा बच्चा, "अपनी उंगलियों को देखकर जाना मैंने तो। सबकी सब अलग-अलग साइज की हैं। सेल में ही ऐसा माल मिलता है।"

आज का इतिहास 14 मई

1702 स्वीडन नरेश चार्ल्स की हत्या हुई.
1921 इटली के चुनावों में फासिस्टों को भारी सफलता मिली.
1948 इजरायल की स्थापना हुई.
1960 एयर इंडिया ने पहली बार न्यूयार्क तक उड़ान भरी.
1963 कुवैत राष्ट्र संघ का 111वाँ सदस्य बना.
1973 अमेरीका ने अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्काईलैब प्रथम का प्रक्षेपण किया.
1976 भारत पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंध पुनः स्थापित करने के लिए सहमति.
1982 ऑल इंडिया रेडियो का नाम आकाशवाणी रखा गया.
1989 अर्जेन्टीना में पोरोवादी नेता कार्लोस मेनेम को राष्ट्रपति चुनावों में भारी सफलता मिली.
1995 चरारे शरीफ में उग्रवादियों का सफाया करने के बाद सेना ने अपना नियंत्रण स्थापित किया.
1997 सीबीआई ने बोफोर्स तोप सौदे में दलाली की जांच रिपोर्ट सौंपी.
1999 कोसोवा में नाटो के हमले में 97 व्यक्ति मारे गए.
1999 शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष गुरुचरणसिंह टोहरा को शिरोमणी अकाली दल से छः वर्ष के लिये निष्कासित किया गया.
2000 पंजाब परिवहन निगम की एक बस रोपड़ में नहर में गिर जाने से 40 मरे.
2001 तमिलनाडु में सुश्री जयललिता मुख्यमंत्री बनी.
2002 जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में 30 लोग मारे गये.

दैनिक पंचांग

14 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	5.25 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	7.23 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.36 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.52 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	14.04 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.15 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.30 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	20.46 बजे से
केतु	धनु में	मकर	22.51 बजे से
		कुंभ	00.37 बजे से
		मीन	2.10 बजे से
		मेष	3.41 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2020 वर्ष का 135 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 शक संवत् 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण तिथि सप्तमी 6.52 बजे को समाप्त। नक्षत्र श्रवण 6.23 बजे को समाप्त। योग ब्रह्म 01.17 बजे रात्र को समाप्त। करण बव 6.52 बजे तदनन्तर बालव 19.33 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 41'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870518
जूलियन दिन 2458983.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान
तारीख 20
विशेष कालाष्टमी, वृषभ संक्रान्ति।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का कार्टून।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदायूं में सामूहिक संघर्ष में भाजपा नेता की मौत

बंदायू (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश में उसावां थानातंर्गत आने वाले बा. मनपुरा गांव में सामूहिक विवाद के कारण भाजपा नेता की हत्या कर दी गई। मंगलवार की शाम भाजपा नेता की हत्या हुई। घटना में कई अन्य लोग भी जख्मी हुए हैं,इसमें भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मंडल अध्यक्ष कृष्णपाल ने दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक, बामनपुरा गांव और इसके पड़ोस में स्थित बुधुआ नागला गांव के निवासियों के बीच पिछले तीन दिन से एक स्प्रे मशीन के लेनदेन को लेकर तनातनी चल रही थी।विवाद की शुरुआत उस वक्त हुई,जब बुधुआ नगला गांव के कल्याण सिंह रविवार को बमनपुरा गांव में अनिल से कोई कृषि संबंधित उपकरण उधार में लेने गए। दोनों के बीच बातचीत ने झगड़े का रूप लेकर तकरार में दो लोग घायल हो गए।अनिल ने अपने कुछ लोगों के साथ कल्याण सिंह और उनके दो बेटों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और इसके बाद वे उनके गांव गए, जहां उन्होंने उन पर हमला बोला।

अनिल को पुलिस स्टेशन लेकर गई इसके दोनों गांव के निवासियों के बीच बहस छिड़ गई।मामले को सुलझाने के मकसद से गए कृष्णपाल इसी झड़प में फंस गए और बुरी तरह से जख्मी हो जाने की वजह से उनकी मौत हो गई।

भाजपा नेता के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजकर गांव में अतिरिक्त बलों की तैनाती कर दी हैं, क्योंकि रंजिश की वजह से यहां अभी भी तनाव का माहौल है।

एसपी (सिटी) जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मृतक के परिवार की तरफ से अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी और बेटी की लाश के साथ चला 1500 किमी

फतेहपुर(ईएमएस)। दिल्ली–कोलकाता नेशनल हाइवे पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। हादसे में परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। यह परिवार मुंबई से जौनपुर जा रहा था और ऑटो में था। ट्रक ने टक्कर मार दी और मौके पर ही मां, बच्ची की मौत हो गई। इस परिवार का सब कुछ बिखर गया। पुलिस ने बताया कि जौनपुर के सराय ख्वाजा क्षेत्र का ऑटो ड्राइवर राजन यादव (35) मुंबई में रहता था। करीब 6 महीने पहले उसने मुंबई में जीवनयापन के लिए ऑटो खरीदा था। लॉकडाउन के चलते राजन के परिवार को काफी परेशानियां हो रही थीं। पत्नी संजू (33) की जिद पर राजन परिवार के कुछ लोगों के साथ शनिवार को मुंबई से ऑटो लेकर जौनपुर के लिए निकला।

ट्रक के पहिए ने कुचला

फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर तड़के किसी ट्रैक्टर या ट्रॉले ने ऑटो में टक्कर मार दी। इसकी चपेट में आकर राजन की पत्नी संजू और बेटी नंदिनी (6) की मौत हो गई, जबकि राजन, उसका बेटा नितिन और भांजे आकाश को मामूली चोटें आईं। इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह ने कहा कि जब ट्रक ने ऑटो को टक्कर मारी तब संजू और नंदिनी उसी तरफ बैठे थे। टक्कर लगने के बाद वे झटके से नीचे गिरे और ट्रक के पहिए के नीचे आ गए।

6 महीने पहले ही खरीदा था ऑटो

राजन ने बताया कि वह मुंबई में 13 साल से किराए का ऑटो चला रहा था। पूंजी बचाकर उसने छह महीने पहले ही ऑटो खरीदा था। परिवार बहुत खुश था, क्योंकि अब उसका काम अच्छा चल रहा था और बचत भी होने लगी थी। लेकिन लॉकडाउन के बाद उसकी कमाई बंद हो गई। लॉकडाउन खुलने के इंतजार में जो जमापूंजी थी, वह भी खत्म हो गई।

1500 किलोमीटर की दूरी नहीं समझ आई पर अब...

पत्नी और बेटी की मौत से दुखी राजन ने कहा कि वह मुंबई से फतेहपुर की लगभग 1500 किलोमीटर की दूरी तय करके आ गया। उसका परिवार उसके साथ था तो तीन दिनों की यह यात्रा आसानी से कट गई। उसका घर अब सिर्फ 200 किलोमीटर दूर बचा है, लेकिन अब उसे घर जाना बोझिल सा लग रहा है।

कोरोना से जीत के लिए हर जुगत में जिला प्रशासन.

ईएमएस(अमेठी):देश में लॉकडाउन होने के बाद लगातार ग्रीनजोन में रही अमेठी में लॉकडाउन थ्री के बाद अचानक एक दर्जन कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद प्रसाशनिक अमले के हड़कंप मच गया।कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद जिले के तीन इलाकों को सील करने के बाद कंटोनमेंट जोन घोषित कर दिया गया और पूरे इलाके को दिनभर में दो बार सैनेटाइज करवाया जा रहा है साथ ही कंटोनमेंट जोन में अमेठी एसपी ख्याति गर्ग के निर्देश पर अमेठी के सभी बैरियर पर पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है।अमेठी कस्बे के कंटोनमेंट एरिया के एक किलोमीटर परिक्षेत्र में चार बैरियर लगाकर पूरे इलाके को सील कर दिया गया है और बैरियर पर तैनात पुलिसकर्मियों को पीपीई किट के अलावा फेस कवर समेत सुरक्षा संबंधी सभी उपकरण दिए गए है इतना ही ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों की उम्र भी 40 वर्ष के नीचे रखी गई जो पूरी तरह से स्वस्थ है।कंटोनमेंट एरिया में की गई व्यावस्था को लेकर मीडिया ने पड़ताल की तो क्या हकीकत सामने आई आप भी देखिए...।

वही पूरी पहल को लेकर अमेठी एसपी ख्याति गर्ग ने कहा अमेठी जनपद में सुरक्षा के दृष्टिगत तीन कंटोनमेंट जोंन बनाए गए हैं साथ ही पुलिस कर्मियों तो यह ध्यान रख्खा जा रहा है कि वे पूरी तरीके से ना सिर्फ पीपीटी पहने बल्कि अपने साथ पर्याप्त मात्रा में मास्क हेडकवर फेसकवर करने के साथ पूरी तरीके से सतर्क और सुरक्षा बरतें।एसपी ने कहा कि इसके लिए उन्हें लगातार प्रशिक्षित किया जा रहा है और उन्हें जागरूक किया जा रहा है इसके साथ ही कंटेनमेंट जोन के अलावा प्रॉपर जोन में भी लगातार सैनिटाइजेसन का काम कराया जा रहा है और वहां भी फायर ब्रिगेड की मदद से फायर सर्विस के कर्मचारी पूरी तरीके से पीपीटी किट के साथ अन्य जरूरी सुरक्षा सम्बन्धी उपकरणों से लैस होकर ड्यूटी कर रहे हैं जिससे सुरक्षित रहें इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ख्याति गर्ग ने बताया कि अमेठी जनपद के अन्य इलाकों में भी जहां पर दुकानों को खोलने के साथ अन्य स्थानों पर भी आम जनता की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए वहां पर लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है और सभी को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरीके से कार्य किया जा रहा है

उन्नाव में 1000 टन सोने के खजाने की भविष्यवाणी करने वाले बाबा शोभन सरकार का निधन

कानपुर (ईएमएस)। सात साल पहले उन्नाव के डौंडियाखेड़ा गांव में 1000 टन सोने के भंडार की भविष्यवाणी करने वाले बाबा शोभन सरकार का देहांत हो गया है। बाबा शोभन सरकार ने बुधवार सुबह पांच बजे अपने आश्रम स्थित आरोग्यधाम अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके देहांत की खबर लगते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई और लोगों की भीड़ कोरोना संक्रमण का खौफ भूलकर आश्रम की ओर उमड़ पड़ी।

याद हो कि शोभन सरकार ने वर्ष 2013 में उन्नाव जिले के डौंडियाखेड़ा गांव में राजा राव रामवख्श के खंडहर हो चुके महल में 1000 टन सोने का भंडार होने का सपना देखने का दावा किया था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने महल पर कब्जा कर राजा राव रामबख्श को फांसी दे दी थी। उन्होंने प्रदेश सरकार को जानकारी दी थी इस महल के भूगर्भ में हजारों टन सोना दबा है। इसके बाद एएसआई ने 18 अक्टूबर को राजा राव रामबख्श के खंडहर महल में खुदाई शुरू कराई। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने एएसआई को 29 अक्टूबर को रिपोर्ट दी कि महल के नीचे सोना, चांदी या अन्य धातु दबी हो सकती है। करीब एक महीने तक चली खुदाई का काम काम 19 नवंबर 2013 को पूरा हुआ। इस काम में प्रदेश सरकार के 2.78 लाख रुपये खर्च हो गए लेकिन सोना का भंडार न मिलने पर खुदाई को रोक दिया गया। शोभन सरकार का वास्तविक नाम महंत विरक्ता नन्द था। इनका जन्म कानपुर देहात के शिवली में हुआ था। पिता का नाम पंडित कैलाशनाथ तिवारी था।

चौकी इंचार्ज सच्चिदानंद का टिक टॉक वीडियो वायरल भुगतना पडी सजा, हो गए लाइन हाजिर

जौनपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के चौकी इंचार्ज को टिक टॉक गर्ल के साथ वीडियो बनाकर वायरल करना महंगा पड गया। इस हरकत के ?लिए चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर ?दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जौनपुर में चंदवक थाना क्षेत्र के बजरंग नगर चौकी इंचार्ज सच्चिदानंद का टिक टॉक वीडियो वायरल हो रहा है। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने ड्यूटी के वक्त ही पुलिस चौकी के अंदर टिक टॉक गर्ल के साथ वीडियो बनाया। इस टिक टॉक वीडियो में चौकी के भीतर इंचार्ज साहब अपनी कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं और एक टिक टॉक गर्ल सपना चौधरी के गाने पर उनके नजदीक डांस कर रही है। पोज अच्छा आए इसका भी चौकी इंचार्ज ने खूब ख्याल रखा है। टिकटॉक वीडियो हिट बने इसके लिए उन्होंने और टिक टॉक गर्ल ने न तो चेहरे पर मास्क लगाया और ना ही सोशल डिस्टेंसिन्ग की गाइडलाइंस का पालन किया। हालांकि बजरंग नगर चौकी इंचार्ज सचिदानन्द को लाइन हाजिर कर दिया गया है। चौकी इंचार्ज का ये टिक टॉक वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। चौकी इंचार्ज का ऐसा वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग की किरकिरी हो रही है। इस पर कुछ भी बोलने से अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है।

सुपारी देकर पति ने कराई पत्नी की हत्या

गाजियाबाद (ईएमएस)। गाजियाबाद में महिला वकील की गोली मारकर हत्या किए जाने की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि महिला के पति ने सुपारी देकर पत्नी की हत्या करवाई थी। फिलहाल मामले में भाड़े के हत्यारे अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। यह मामला मंगलवार का है। हाजी सलीम ने पुलिस को बताया था कि वह अपनी पत्नी दिव्या राणा के साथ कार से एक तीसरे शख्स को प्लॉट दिखाने ले जा रहा था और इसी दौरान तीसरे शख्स ने उसकी पत्नी को कार के अंदर ही गोली मार दी था और फरार हो गया था। पुलिस के लिए कार में हुए इस हत्याकांड को सुलझाना एक पहेली बन गया था। कारण ये था कि कार में तीन लोग थे। एक की हत्या हो गई, एक चश्मदीद गवाह और हत्या करने वाला फरार।

लेकिन, बुधवार को पुलिस ने खुलासा किया कि महिला वकील दिव्या राणा की हत्या खुद उसके पति ने सुपारी देकर कराई थी पुलिस के मुताबिक दिव्या राणा अपने पति का बिजनेस हड़पना चाहती थी जिसको लेकर उसका पति बेहद परेशान था। हाजी सलीम को डर था कहीं उसकी पत्नी उसके सारे बिजनेस को अपनी तरफ न कर ले। इसी को लेकर सलीम ने अपनी पत्नी की सुपारी दे दी। पेशगी में 2 लाख रुपये दिए गए थे बाकी पैसा बाद में दिया जाना था। पुलिस ने हाजी सलीम को गिरफ्तार किया गया है। हत्या करने वाले दो बदमाश अभी फरार है।

अलग–अलग थाना क्षेत्रों से दो अभियुक्त गिरफ्तार.

ईएमएस(अमेठी):अमेठी पुलिस अधीक्षक डॉ ख्याति गर्ग के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना सन्तोष सिंह के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियो के धड़ पकड़ हेतु अभियान चलाकर जिले के अलग–अलग थाना क्षेत्र से दो अभियुक्त को पुलिस ने गिफ्तार किया है। जिले की मुसाफिरखाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उक्त अभियुक्त की गिरफ्तारी उसके घर से ही की गई है।गिरफ्तार अभियुक्त ओम प्रकाश यादव मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के झलियन का पुरवा मजरे राजापुर गांव का रहने वाला है।और उस पर थाने में मामला दर्ज है.इसी बीच बुधवार को मुसाफिरखाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना के फौरन बाद मौके पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया।मुसाफिरखाना थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि अभियुक्त को उसके घर से गिरफ्तार किया गया है, और विधिक कारवाई की जा रही है।

बाजार शुक्ल पुलिस द्वारा गोकशी में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार–वही दूसरी गिरफ्तारी जिले के थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा की गई है।बाजार शुक्ल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गोकशी में वांछित अभियुक्त जाहिद अली पुत्र साबिर अली निवासी शेखवापुर थाना बाजार शुक्ल को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है.

आगरा केंद्रीय जेल में 10 बंदियों के पॉजिटिव मिलने से हड़कंप

संक्रमितों का आंकड़ा 777 पहुंचा

आगरा (ईएमएस)। यूपी आगरा केंद्रीय जेल में 10 बंदियों के कोरोना संक्रमित मिलने से सनसनी फैल गई है। मंगलवार को 12 कैदियों की दूसरी जांच रिपोर्ट में 10 पॉजिटिव पाए गए, जिसके बाद 100 कैदियों को क्वारंटाइन करवा दिया गया। 14 कैदी पहले से ही क्वारंटाइन थे, जिनमें से 10 अब संक्रमित मिले हैं। मंगलवार को 12 नए केस सामने आने के बाद आगरा में संक्रमितों की संख्या 777 हो गई है। अभी तक 383 कैदी डिस्चार्ज किए जा चुके हैं, जबकि जिले में संक्रमण से अब तक 25 मरीजों की मौत हो चुकी है।

मालूम हो कि सेंट्रल जेल के मृत संक्रमित बंदी के बैरक में रह रहे 100 लोगों को जेल प्रशासन ने आइसोलेट कर दिया। सेंट्रल जेल पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम के दिशा निर्देश के बाद यह कदम उठाया गया। साथ ही जेल स्टाफ के 16 लोगों को भी क्वारंटाइन किया गया है।

बता दें झांसी निवासी हत्या के मामले में सजायाफ्ता 60 वर्षीय बंदी को दिसंबर 2019 में सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया था। 3 मई को हाई ब्लडप्रेशर की शिकायत पर उसे एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। संदिग्ध मानते हुए डॉक्टरों ने जब उसकी कोरोना जांच करवाई तो वह पॉजिटिव निकला। 9 मई को कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद जेल प्रशासन ने मृत बंदी के बैरक में रहने वाले 14 कैदियों को क्वारंटाइन कर दिया।

चित्रकूट में ट्रक की चपेट में आए प्रवासी मजदूर

चित्रकूट (ईएमएस)। चित्रकूट में एक ट्रक ने सड़क किनारे बैठे चार प्रवासी मजदूरों को टक्कर मार दी। इस टक्कर में एक मजदूर की मौत हो गयी। बताया गया कि ये सभी मजदूर छत्तीसगढ़ के रायपुर से साइकिलों पर सवार होकर सहारनपुर और मुजफ्फरनगर जिलों में स्थित अपने–अपने घर लौट रहे थे। ये सभी मोहन सहारनपुर जिले के चपारी गांव और राधेश्याम, रामनिवास एवं रवींद्र मुजफ्फरनगर जिले के पसीली गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि सभी मजदूर पानी पीने के लिए बरगढ़ क्षेत्र के रीवा मार्ग पर कलचिहा गांव के पास सड़क किनारे बैठ गए थे, तभी प्रयागराज की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने चारों को इलाज के लिए मऊ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां मोहन की इलाज के दौरान मौत हो गयी। उसका शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल पुलिस ने ट्रक एवं उसके चालक को पकड़ लिया है। मऊ सीएचसी के अधीक्षक डॉ. शेखर वैश्य ने बताया कि अन्य तीनों घायल लोग खतरे से बाहर हैं और उनका इलाज चल रहा है।

किसानों से रुपया लेंगे तो मैं अपना जूता चलाऊंगा भाजपा विधायक ने अधिकारियों को दी धमकी

महोबा(ईएमएस)।उप्र के महोबा जिले के बीजेपी विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने अधिकारियों को जूता मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि सम्मान में दिक्कत आएगी, बर्दास्त नहीं किया जाएगा, जूता चलेगा जूता। वास्तव में यही करूंगा, अगर किसानों से यह रुपया लेंगे तो मैं अपना जूता चलाऊंगा। मेरे खिलाफ मुकदमे लिखना हो तो लिख लो। इससे पहले विधायक ने महोबा जिले के डीएम, एसपी को अनाड़ी, चोर और दलाल कह कर हड़कंप मचा दिया था। अब उन्हें जूतों से मारने की सरेआम धमकी दे दी। दरअसल, दो दिन पहले विधायक ब्रजभूषण राजपूत भेष बदल कर गेंहू खरीद केंद्र पहुंचे थे और अपनी फसल बेचने की बात कही। इस पर खरीद केंद्र प्रभारी ने कमीशन मांगा। गेंहू खरीद में कमीशन लिए जाने का विधायक ने स्टिंग ऑपरेशन किया था। उसी स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो जारी करते हुए विधायक ब्रजभूषण राजपूत काफी उत्तेजित हो गए। इसके बाद बीजेपी विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने अधिकारियों को जूता मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि सम्मान में दिक्कत आएगी, बर्दास्त नहीं किया जाएगा, जूता चलेगा जूता। वास्तव में यही करूंगा, अगर किसानों से यह रुपया लेंगे तो मैं अपना जूता चलाऊंगा। मेरे खिलाफ मुकदमे लिखना हो तो लिख लो। अधिकारियों को धमकी देते हुए बीजेपी विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने कहा कि मगर मुझे यह बर्दाश्त नहीं होगा कि मेरे किसान का शोषण होता रहे। अब तुम लोग सुधार जाओ, वरना अब मैं सुधारने को तैयार बैठा हूं, अब जूता चलेगा जूता। इतना जूता मारेंगे कि कोई अधिकारी पैसा लेने से पहले सोचेगा।बीजेपी विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने कहा कि अब अधिकारी अपमानित होगा। मैंने बहुत से अधिकारियों को लहंगा, चुनरी पहनवाकर मांगे भरवा दी है, जो भ्रष्टाचारी थे। मैं विधायक होने की मर्यादा में इस वक्त अधिकारियों को अपमानित नहीं कर पा रहा था। पद की गरिमा की वजह से बर्दाश्त कर रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में कोरोना के 364 नए केस सामने आए, 24 घंटों में 29 मरीजों की मौत

अहमदाबाद । गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 364 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 29 लोगों की इस दौरान मौत हो गईद्य राज्य में 24 घंटों के दौरान 316 लोगों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया हैद्य कोरोना का सबसे अधिक प्रकोप अहमदाबाद में है, जहां कोरोना का आंकड़ा 6645 पर पहुंच गया हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने मंगलवार शाम से बुधवार की शाम तक राज्यभर में सामने आए कोरोना के आंकड़ों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में बीते 24 घंटों के दौरान 364 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं। जिसमें सबसे अधिक केस अहमदाबाद में 292 दर्ज हुए। जबकि वडोदरा में 18, सूरत में 23, पाटन में 2, पंचमहल में 1, बनासकांठा में 1, मेहसाणा में 8, गिर सोमनाथ में 1, खेडा में 1, जामनगर में 3, अरवल्ली में 1, महीसागर में 1, देवभूमि द्वारका में 7, जूनागढ़ में 1 और अमरेली में 1 कोरोना का एक दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 316 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई है। जिसमें अहमदाबाद में 238, भावनगर में 4, छोटाउदेपुर में 1, गांधीनगर में 08, खेडा में 2, महीसागर में 7, पाटन में 1, राजकोट में 5, सूरत में 6 और वडोदरा में 44 समेत कुल 316 लोगों को 24 घंटों में डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान 29 मरीजों की मौत हो गई। जिसमें अहमदाबाद में 25, सूरत में 3 और पाटन में कोरोना की मौत हो

गईद्य राज्यभर में अब तक 122297 टेस्ट किए गए, जिसमें 113029 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई और 9268 पॉजिटिव केस दर्ज हुए। कुल 9268 केसों में 566 मरीजों की मौत हो चुकी है और 3562 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट गए हैं। शेष 5140 मरीजों में 5101 की हालत स्थिर है और 39 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में 208537 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 199145 होम कोरन्टाइन, 8752 सरकारी कोरन्टाइन और 640 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। डॉ. जयंति रवि ने बताया कि 292 केसों के साथ अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा 6645 पर पहुंच गया है। वहीं वडोदरा में 592, सूरत में 967, राजकोट में 66, भावनगर में 100, आणंद में 80, भरुच में 32, गांधीनगर में 142, पाटन में 31, पंचमहाल में 66, बनासकांठा में 82, नर्मदा में 13, छोटा उदेपुर में 17, कच्छ में 14, महेसाना में 67, बोटाद में 56, पोरबंदर में 3, दाहोद में 20, गीरसोमनाथ में 18, खेडा में 33, जामनगर में 33, मोरबी में 2, साबरकांठा में 27, अरवल्ली में 76, महीसागर में 47, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 3 देवभूमी द्वारका में 12, जूनागढ में 4, अमरेली में 1 और अन्य राज्य 1 समेत अब तक कुल 9268 मामले दर्ज हो चुके हैं।

भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा की मुश्किलें बढ़ीं, अश्विन राठौड़ भी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

अहमदाबाद । धोलका विधानसभा सीट से निर्वाचन रद्द होने के बाद राज्य के शिक्षा एवं कानून मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने गुजरात हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। धोलका सीट से चुनाव रद्द करने के गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर स्टे के लिए चूडास्मा ने सुप्रीम कोर्ट ने स्पेशल पिटिशन दाखिल की है। चूडास्मा के पीछे अब कांग्रेस उम्मीदवार अश्विन राठौड़ ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की है। राठौड़ ने ऑनलाइन सुप्रीम कोर्ट में कैविएट फाइल की है। कैविएट दाखिल होने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट बगैर अश्विन राठौड़ का पक्ष सुने कोई फैसला नहीं दे सकेगी। राठौड़ द्वारा कैविएट दाखिल किए जाने से अब चूडास्मा को हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिलना मुश्किल है। दूसरी ओर कांग्रेस भी हाईकोर्ट के फैसले के बाद आक्रमक हो गई और गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष को पत्र लिखकर धोलका सीट रिक्त घोषित करने की मांग की है। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को दलगत राजनीति से हटकर अपना कर्त्तव्य निभाना चाहिए।

सब्जी विक्रेताओं के एएमसी का निर्णय, कन्टेइमेन्ट जोन में खुलेंगी दुकानें

अहमदाबाद। शहर में 15 मई के बाद फिर एक बार जीवनजरूरी चीजों के लिए दुकाने खोली जाएगी। महानगरपालिका के अधिकारी डॉ.राजीव गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया। शहर के कन्टेइन्मेन्ट जोन में भी जीवन जरुरी चीजों की दुकानें खोली जाएगी। 5 जगहों पर सब्जी के थोकबंद मार्केट शुरु होगा।

शहर के कन्टेन्मेन्ट जोन के लिए एएमसी ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। 10 कन्टेन्मेन्ट इलाकों में जीवन जरूरी चीज वस्तुओं की दुकानें खोली जाएगी। 15 मई के बाद सभी चीजें उपलब्ध होगी। किराना, फल और सब्जी की भी दुकानें खोली जाएगी। सभी दुकानें सुबह 8 बजे से 1 बजे तक खुली रहेगी। शहर के दाणीलीमडा, जमालपुर, कालूपुर, शाहपुर, आस्टोडिया, बहेरामपुरा, मणीनगर, सरसपुर, असारवा व खाडिया वोर्ड में दुकानें खुली रहेगीद्य सब्जी बेचनेवाले फेरियों को हेल्थ कार्ड इस्यू किए जाएंगे। 7 दिनों बाद फेरीवालों को हेल्थ कार्ड रिन्यू कराना होगा। साथ ही दुकान मालिकों को पैसा लेने सामान देने के लिए ट्रे रखने सहित नियमों का पालन करना होगा। 15 मई से सब्जी, किराने की दुकाने, अनाज पीसने की घंटी सुबह 8 से 3 बजे तक खुली रहेगीद्य व्यापारी सब्जी व फल थोकबंद खरीद सके इसलिए रिवरफ्रन्ट के पास गुजरी बाजार, एपीएमसी मार्केट व आलू–प्याज के लिए वासणा एपीएमसी मार्केट तय किए गए है। किसान सुबह 3 बजे से 7 बजे तक जेतलपुर एपीएमसी मार्केट में सब्जी बेच पाएंगे इसके बाद सुबह 7 से 10 बजे तक व्यापारी, रेंकडीवाले को सब्जी बेच सकेंगेद्य फुटकर ग्राहकों व थोकबंद व्यापारी को किसान सब्जी नहीं बेच सकेंगेद्य इसके अलावा नरोडा फ्रूट मार्केट भी शुरू किया जाएगा।

15000 से कम सैलरी वालों का जून–जुलाई–अगस्त का ईपीएफ देगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 20 लाख करोड़ के राहत पैकेज के रोडमैप को लेकर बताया कि 20 लाख करोड़ का इस्तेमाल किन–किन क्षेत्रों में किया जाएगा और इन्हें कितनी राशि दी जाएगी। इस राशि का इस्तेमाल कैसे किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा निर्माण के काम के लिए 6 महीने तक के लिए एक्सटेंशन दिया जा रहा है, निर्धारित समय में किए जाने वाले काम को तय तारीख से 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। यानी सभी सरकारी एजेंसियां जैसे रेलवे, हाइवे आदि छह महीने तक ठेकेदारों को राहत देंगे। पीपीपी में भी छह महीने तक राहत दी जा सकती है। बिल्डरों को भी मकान पूरा करने के लिए वक्त मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा एनबीएफसी के लिए 30 हजार करोड़ की स्कीम लाई जा रही है। डिस्कॉम को कैश फ्लो की दिक्कत हो रही है, उनके लिए 90 हजार करोड़ की सहायता तय की गई है। एनबीएफसी को 45,000 करोड़ की पहले से चल रही योजना का विस्तार होगा। आंशिक ऋण गारंटी योजना का विस्तार होगा। इसमें डबल ए या इससे भी कम रेटिंग वाले एनबीएफसी को भी कर्ज मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा ईपीएफ के लिए दी गई सहायता अगले तीन माह के लिए बढ़ाई जा रही है, जो पहले मार्च, अप्रैल, मई तक दी गई थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा 15 हजार से कम सैलरी वालों को सरकारी सहायता, सैलरी का 24 फीसदी सरकार पीएफ में जमा करेगी। टेक होम सैलरी बढ़ाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। जिन कर्मचारियों का 24: ईपीएफ अंशदान सरकार नहीं भर रही है यानी जिनकी सैलरी 15 हजार से ज्यादा है, उनके मामले में नियोक्ता और कर्मचारी दोनों के लिए पीएफ में योगदान का प्रतिशत घटाकर 12 से 10 प्रतिशत किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा पीएफ कॉन्ट्रीब्यूशन अगले तीन महीनों के लिए घटाया जा रहा है, ये नियोक्ताओं के लिए किया गया है।

सरकारी और पीएसयू को 12 प्रतिशत ही देना होगा। पीएसयू पीएफ का 12 फीसदी ही देंगे लेकिन कर्मचारियों को 10 प्रतिशत पीएफ देना होगा। सरकारी बैंकों में फंसे हुए पैसे को अगले 45 दिनों में निकलवाया जाएगा। 200 करोड़ से कम वाले काम में ग्लोबल टेंडर नहीं होगा जिसका फायदा एमएसएमई को मिलेगा। ज्यादा निवेश वाली कंपनियों को एमएसएमई के दायरे में ही रखा जाएगा। पहले सिर्फ निवेश के आधार पर तय किया जाता था। अब टर्नओवर के आधार पर भी एमएसएमई की परिभाषा तय की जाएगी। माइक्रो यूनिट में 25 हजार का निवेश तक माना जाता था अब एक करोड़ के निवेश करने वाली कंपनियां माइक्रो यूनिट होंगी। अब ये निवेश 1 करोड़ तक हो सकता है, और टर्नओवर 5 करोड़ तक हो सकता है लेकिन तब भी आप माइक्रो यूनिट के अंदर ही आएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो एनपीए हैं और जो लॉकडाउन के चलते परेशानी में हैं उन्हें इस कदम से फायदा होगा 45 लाख एमएसएमई को राहत, एक साल तक कर चुकाने से मुक्ति मिलेगी। एमएसएमई जो सक्षम हैं, लेकिन कोरोना की वजह से परेशान हैं, उन्हें कारोबार विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रुपये के फंड्स ऑफ फंड के माध्यम से सहयोग दिया जाएगा।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा 15 विभिन्न कदमों का जिक्र होगा जिसमें 6 एमएसएमई के लिए कदम उठाएंगे दो कदम एमएसएमई के फाइनेंस से जुड़ा है और 2 पीएफ से जुड़े हैं। एमएसएमई को 3 लाख करोड़ का कर्ज बिना किसी गारंटी का मिलेगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम व कुटीर उद्योग के लिए 20 हजार करोड़ का प्रावधान। वहीं 50000 करोड़ का फंड एमएसएमई में डाला जाएगा। बजट के फौरन बाद कोरोना आ गया। बजट सेशन के बाद हमने गरीब कल्याण योजना के तहत 41 करोड़ खातों में पैसा पहुंचा था। जिनके पास राशन कार्ड नहीं था उन्हें भी राशन दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा मोदी सरकार लोगों से बातचीत और संवेदनशीलता में भरोसा रखती है और बजट के बाद तुरंत कोरोना का प्रकोप आ गया। वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीएम ने सबसे पहला कदम देश के गरीबों को लेकर उठाया। एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीएम ने सबसे पहला कदम देश के गरीबों को लेकर उठाया। एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। आत्मनिर्भर भारत बनाने का उसने देश के लोगों में नई ऊर्जा भर दी है। लोग संकट में अवसर देख रहे हैं।

अमरेली में भी कोरोना की दस्तक, 67 वर्षीय वृद्धा की रिपोर्ट पॉजिटिव आई

अहमदाबाद । गुजरात के अमरेली में भी कोरोना की दस्तक हो चुकी है और वहां 67 वर्षीय एक वृद्धा की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने से लोगों में चिंता पैठ गई है। अमरेली में कोरोना की दस्तक के बाद अब राज्य का कोई ऐसा जिला नहीं बचा, जो कोरोना से अछूता हो। अब तक ग्रीन जोन में रहे अमरेली जिले में कोरोना की दस्तक से प्रशासन हरकत में आ गया है।

अमरेली तहसील के टींबला गांव में 67 वर्षीय एक वृद्धा सूरत से आई है और इस वृद्धा की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। सूरत आई वृद्धा की अमरेली के किसान तालीम केन्द्र में जांच की गई थी। जहां उसके कोरोना पॉजिटिव होने के खुलासे के बाद वृद्धा की जांच करने वाले डॉक्टर को भी कोरन्टाइन कर दिया गया है। इतना ही नहीं किसान तालीम केन्द्र भी बंद करने का फैसला किया गया है।

दरअसल लॉकडाउन में फंसे सौराष्ट्र के लोगों को सरकार ने अपने घर लौटने की छूट दी है। जिसके बाद कई बसें सूरत से अमरेली और भावनगर समेत सौराष्ट्र के विभिन्न जिलों में पहुंच रही हैं। जिसकी वजह से अब तक कोरोना से अछूते अमरेली में भी कोरोना की दस्तक से लोगों में चिंता बढ़ गई है।

पुत्र ने मां के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी, दोनों आरोपी गिरफ्तार

गिर सोमनाथ। वेरावल में एक युवक ने मां के साथ मिलकर अपने पिता को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी माता–पुत्र को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ जिले के वेरावल बंदरगाह पर फिशिंग बोट के निकट एक अधेड़ शख्स का हत्या किया शव मिला था। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच में मृत व्यक्ति वेरावल के भीडिया क्षेत्र निवासी 48 वर्षीय प्रवीण डालकी होने का पता चला। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि प्रवीण डालकी के पुत्र और पत्नी ने मिलकर उसकी हत्या की थी। इस खुलासे के बाद पुलिस ने माता–पुत्र को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ में मृतक के पुत्र सनी उर्फ सुनील ने बताया कि उसके पिता घर में दुर्व्यवहार करते थे और किसी से उधार रुपए लेने के पश्चात लौटाते नहीं थे। पिता की इन हरकतों से तंग आकर उन्हें जहर पिला दिया। जहर पीने के बाद प्रवीण डालकी ने उलटी कर दी, जिससे जहर

बाहर निकल गया और वह बच गया। बाद में सुनील अपने पिता को मोटर साइकिल पर लेकर वेरावल बंदरगाह पहुंचा, जहां प्लास्टिक की डोरी से उनका गला घोंट हत्या का प्रयास किया। लेकिन उसमें भी प्रवीण डालकी गयाद्य आखिरकार लकड़ी से सिर में कई प्रहार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। पिता की हत्या के बाद सुनील ने अपनी माता के साथ मिलकर सबूत मिटा दिए। लहू से सने सुनील के कपड़े और जहर की बोतल भी उसकी माता जला दी। पुलिस ने माता–पुत्र के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

रेड जोन और कंटेनमेंट एरिया में अधिकतम उपयोग किया जाएगा : डीजीपी

अहमदाबाद । गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने बताया कि राज्य में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए रेड जोन और कंटेनमेंट जोन के इलाकों में लोगों की आवाजाही पर नजर रखने के लिए अधिकतम टेक्नोलोजी का उपयोग किया जाएगा। इन इलाकों में ड्रोन का उपयोग बढ़ाने के साथ ही हाईड्रोजन गैस के बलून का भी इस्तेमाल किया जाएगा, जो निर्धारित ऊंचाई पर स्थिर रहेगा। जिसमें एक पीटीझेड कैमरा और दो–तीन स्थिर कैमरे लगे होंगेद्य ताकि प्रभावी सर्वेलन्स किया जा सके। ये कैमरे आईपी बेइज्ड होने के कारण उसके फूटेज कंट्रोल रूम और वरिष्ठ अधिकारियों के मोबाइल पर भी देखे जा सकेंगे और इससे संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार सुपरविजन किया जा सकेगा। झा ने कहा कि अंतरराज्यीय आवागमन या अन्य राज्य या विदेस से आनेवाले लोगों के जरिए संक्रमण का खतरा अधिक होता है, इसलिए ऐसे लोगों को कोरन्टाइन कानून का चुस्ती से पालन करना होगा।

अन्य राज्यों से तबलिगी जमाती मंजूरी से गुजरात के अलग अलग जिलों में आए थे और उन सभी को कोरन्टाइन किया गया था।

जिसमें 12 लोग कोरोना पॉजिटिव निकले। हांलाकि इन लोगों को कोरन्टाइन करने से अनेक लोगों को संक्रमित होने से बचा लिया गया।

उन्होंने बताया कि मंजूरी लेकर गुजरात लौटे तबलिगियों में आंध्र प्रदेश से 23 लोग जूनागढ़ आए थे, जिसमें एक कोरोना पॉजिटिव पाया गया। इसके अलावा महाराष्ट्र से गुजरात के अलग अलग जिलों में लौटे 28 में से भावनगर में कोरन्टाइन हुए 10 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जबकि आंध्र प्रदेश से वडोदरा आए तबलिगी जमात का एक शख्स कोरोना पॉजिटिव पाया गया। शिवानंद झा ने बताया कि राज्य में कोरोना वॉरियर्स पर हमलों के संदर्भ में 37 मामले दर्ज कर 88 आरोपियों को पासा के तहत जेल भेजा गया है। जिसमें पुलिस जवानों पर हमले की 26 घटनाएं, जीआरडी होमगार्ड पर 6, मेडिकल स्टाफ और राजस्व कर्मचारियों पर हमले की 2 और आशा वर्कर पर 1 समेत कुल 37 घटनाएं शामिल हैं

सभी आयकर रिटर्न फाइल करने की समय सीमा नवंबर 2020 तक बढ़ी

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया है कि बीते वित्त वर्ष (2019–20) के सभी आयकर रिटर्न फाइल करने की समय सीमा को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि वित्तवर्ष 2019–20 के सभी इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि को 31 जुलाई, 2020 तथा 31 अक्टूबर, 2020 से 30 नवंबर, 2020 तक बढ़ाया गया है। टैक्स ऑडिट की समयसीमा को भी 30 सितंबर से बढ़ाकर 31 अक्टूबर 2020 किया गया है।

वित्त मंत्री ने चैरिटेबल ट्रस्ट और नॉन कॉरपोरेट व्यवसाय समेत प्रॉपराइटरशिप, पार्टनरशिप, एलएलपी और सहकारी समितियों के सभीं लंबित रिफंड का तत्काल प्रभाव से भुगतान करने को कहा है। सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 'विवाद से विश्वास' योजना स्कीम की मियाद को बढ़कार 31 दिसंबर 2020 किया गया है।

कोरोना संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत म्ध्य में 12–12 प्रतिशत (नियोक्ता और कर्मचारी) योगदान की सुविधा को अगले तीन महीने जून जुलाई और अगस्त के लिए बढ़ाया गया है। पहले यह सुविधा मार्च–अप्रैल–मई महीने के लिए थी। सरकार की इस ऐलान का फायदा सिर्फ उन्हीं कंपनियों को मिलेगा, जिनके पास 100 से कम कर्मचारी हैं और 90 फीसदी कर्मचारी की सैलरी 15,000 रुपये से कम है। इससे 2500 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। 72 ।22 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा होगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि कंपनियों और कर्मचारियों के हाथ में ज्यादा पैसे देने के मद्देनजर ईपीएफ में नियोक्ता और कर्मचारी दोनों के योगदान में कटौती की गई है। ईपीएफ में योगदान 12–12 प्रतिशत से कम करके 10–10 प्रतिशत अगले 3 महीने के लिए किया गया है। हालांकि, सार्वजनिक उपक्रमों में नियोक्ता के अंशदान के रूप में 12 प्रतिशत का योगदान जारी रहेगा।

सुरत में लोकडाउन होने से लोगों की सेवा करने वाले अनेक सेवाभावी ट्रस्ट, एनजीओ,और लोगों की सेवा करने को अपना धर्म मानने वाले व्यकित भूखों को भोजन और अन्न देकर सेवा का कार्य करते हैं

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)